

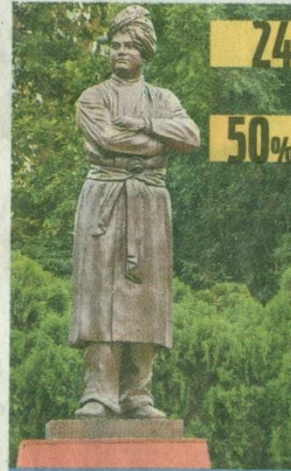
उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की पहल

## कॉलेजों में अब राष्ट्रवाद और समाज सेवा का पाठ भी

महाविद्यालयों में  
विवेकानंद की  
मूर्तियां लगेंगी  
हर विवि में 100  
फीट उंचा तिरंगा  
लहराएगा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क  
rajasthanpatrika.com

जयपुर. अब सरकार विद्यार्थियों को राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने के साथ ही समाज सेवा के प्रति जागरूक भी करेगी। इसके लिए प्रदेश के सभी सरकारी महाविद्यालयों में स्वामी विवेकानंद की मूर्तियां लगाई जाएंगी और सभी विश्वविद्यालयों में 100 फीट की ऊंचाई का तिरंगा चौबीस



24  
50%

विश्वविद्यालय हैं राज्य में, जिनमें 15 हैं सरकारी कॉलेजों में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति लगाई जा चुकी है। सभी हैं सरकारी

11 इंजीनियरिंग, 42 पोलिटेक्निक, 815 बीएड और 219 सामान्य शिक्षा व 56 संस्कृत शिक्षा के कॉलेज में अब तक लग चुकी है प्रतिमा

घंटे फहराया जाएगा। समाज सेवा के लिए पं. दीनदयाल उपाध्याय और नेताजी सुभाष चंद बोस की जन्मतिथि पर कॉलेज व विश्वविद्यालय परिसरों में रक्तदान शिविर की शुरुआत की जा चुकी है।

25,000  
यूनिट  
ब्लड एकत्र

ब्लड बैंक की लिमिट पार...

विभाग के सूत्रों ने बताया कि रक्तदान शिविरों में छात्र-छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। इसका अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि कई स्थानों पर तो इतने विद्यार्थी पहुंचे कि स्थानीय

ब्लड बैंक की लिमिट भी पार हो गई। जिसके चलते विद्यार्थियों व युवाओं से संकल्प पत्र भरवाए गए। अब तक लगे तीन शिविरों में करीब तीन लाख संकल्प पत्र भरे गए।

छात्रों व युवाओं में राष्ट्रवाद और समाज सेवा की भावना पैदा करने के लिए कुछ पहल की है। जिसके तहत सभी सरकारी कॉलेजों में विवेकानंद की मूर्ति लगाने, सभी विवि में तिरंगा फहराने की योजना बनाई है। साल में दो बार कैम्पस में रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे।

किरण माहेश्वरी, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री

उच्च शिक्षा विभाग ने स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर अब तक तीन रक्तदान शिविर लगाए हैं। जिसमें करीब 25 हजार यूनिट से ज्यादा ब्लड इकट्ठा हो चुका है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर दो और सुभाष चंद बोस की जयंती पर एक शिविर का आयोजन किया जा चुका है। उच्च शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार 2015 में लगे शिविर में 10590 वहीं 2016 में लगे शिविर में 10352 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। अब 25 सितंबर को आयोजित होने वाले इस शिविर के लिए स्वास्थ्य विभाग की 100 टीमें तैयार हैं, जो अलग-अलग स्थानों पर होने वाले शिविरों का समन्वय करेंगी।